आकाशवाणी केन्द्र शिमला
11.11.2024 / प्रादेशिक समाचार / 1945जे

मुख्य समाचार

- चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय लवी मेला रामपुर में शुरू– राज्यपाल ने किया शुभारंभ– मेलों को बताया संस्कृति के संवर्धन का माध्यम।
- मुख्यमंत्री ने 5 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रीरेणुका जी मेले का किया शुभारंभ– कहा– सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए उठाए सार्थक कदम।
- कांग्रेस ने पूर्व भाजपा सरकार पर जनमंच व स्थापना दिवस कार्यक्रमों पर करोड़ों रूपये खर्च करने के लगाए आरोप।
- भाजपा ने कहा– कांग्रेस सरकार की गलत नीतियों के कारण प्रदेश में विकास कार्य ठप्प– कानून व्यवस्था चरमराई।

लवी मेला

भारत तिब्बत व्यापारिक संबंधों का प्रतीक 4 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय लवी मेला शिमला जिले के रामपुर में आज शुरू हुआ। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने मेले का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सदियों से लवी मेले ने व्यापारिक मेले के रूप में अपनी पहचान कायम की है और मौजूदा समय में प्रदेश के सांस्कृतिक उत्सव के रूप में उभर रहा है। राज्यपाल ने कहा कि विभिन्न राज्यों से आए सांस्कृतिक समूह एक मंच पर देश की विविध संस्कृतियों का प्रदर्शन कर अनेकता में एकता की भावना का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। राज्यपाल ने कहा कि लवी मेले से स्थानीय अर्थव्यवस्था को संबल मिलता है और प्रदेश की संस्कृति का संवर्धन भी होता है। उन्होंने मेले और त्योहारों को संजोए रखने में सरकारी प्रयासों के साथ–साथ लोगों से सहयोग मांगा। शिव प्रताप शुक्ल ने मेले में सरकारी विभागों द्वारा लगाई गई विभिन्न विकासात्मक प्रदर्शनियों का भी अवलोकन किया। उन्होंने किन्नौरी एवं तिब्बती मार्केट में रखे गए उत्पादों की व्यापारियों से विस्तृत जानकारी ली और उनके महत्व को भी समझा। इस दौरान लेडी गवर्नर जानकी शुक्ल भी मौजूद रहीं।

रेणुका मेला

उधर सिरमौर ज़िला का 5 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रीरेणुका जी मेला आज विधिवत रूप से आरंभ हुआ। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मां–बेटे के मिलन के प्रतीक इस मेले का शुभारंभ भगवान परशुराम की पालकी को कंधा देकर विधिवत रूप से किया। इस दौरान परंपरा के अनुसार गिरी नदी के तट पर देव पालकियों का स्वागत किया गया। इस दौरान निकाली गई शोभा यात्रा के दौरान मां रेणुका और भगवान परशुराम के जयकारों के साथ गिरी नदी का तट ढोल–नगाड़ों की धुनों से गूंज उठा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश के ये मेले और पौराणिक आयोजन देवभूमि हिमाचल के परिचायक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय रेणुका मेले में पहली बार आने का उन्हें मौका मिला है। उन्होंने कहा कि रेणुका बांध का निर्माण कार्य फॉरेस्ट क्लीयरेंस होते ही जल्द शुरू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री

इस बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि राज्य सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन से हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया है। वे आज सिरमौर ज़िले के पच्छाद विधानसभा क्षेत्र में भूरेश्वर महादेव मंदिर में मेले के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में भगवान शिव की नई प्रतिमा का अनावरण और वाटिका भूरेश्वर व क्वागधार हैलीपैड का लोकार्पण भी किया। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कई सार्थक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भूरेश्वर महादेव क्षेत्र को ईको टूरिज़्म की दृष्टि से विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा राज्य सरकार ने 6 हज़ार अध्यापकों के पद स्वीकृत किए हैं और 3 हज़ार अध्यापकों को बैचवाइज़ नियुक्ति प्रदान कर दी गई है, जबकि 3 हज़ार पदों की भर्ती प्रकिया जारी है। उन्होंने पूर्व भाजपा सरकार पर चुनाव के समय लाभ लेने के लिए बिना बजट प्रावधान के नए स्कूलों की अधिसूचनाएं जारी करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर क्षेत्र में सुधारात्मक कदम उठा रही है और इस दौरान आ रही बाधाओं का जनसहयोग से पार किया जा रहा है।

संजय अवस्थी

मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी ने पूर्व भाजपा सरकार पर फिजूलखर्ची के आरोप लगाते हुए कहा है कि जनमंच और स्थापना दिवस कार्यक्रम के नाम पर करोड़ों रूपये खर्च किए गए। आज शिमला में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के लिए पूर्व सरकार ने कर्मचारियों के लिए 10 हज़ार 6 सौ करोड़ रूपये के संशोधित वेतन और महंगाई भत्ते की घोषणा तो कर दी, लेकिन एरियर का भुगतान नहीं किया गया। संजय अवस्थी ने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान धर्मशाला में हुई इन्वेस्टर मीट में 19 करोड़ रूपये खर्च करने के बावजूद भी प्रदेश में कोई निवेश के लिए नहीं आया। उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी के बावजूद प्रदेश की कांग्रेस सरकार 10 में से 5 गारंटियां पूरी कर चुकी है और हिमाचल 2027 तक आत्मनिर्भर व 2032 तक देश का सबसे समृद्ध राज्य बनेगा। संजय अवस्थी ने आरोप लगाया कि पूर्व सरकार ने 5 साल सत्ता सुख का आनंद लिया और प्रदेश की जनता के पैसे का दुरूपयोग किया गया।

वीरेंद्र कंवर

प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष व पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर कहा है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार के पास हिमाचल को आगे ले जाने के लिए कोई विजन नहीं है। आज उना में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रदेश में सत्ता संभालने के बाद से ही कांग्रेस सरकार लोगों पर टैक्स थोप रही है। वीरेन्द्र कंवर ने कहा कि मुख्यमंत्री साल 2032 तक हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का ढिंढोरा पीट रहे लेकिन 2 साल में जनता को दी गई गारंटियां भी पूरी नहीं हुई हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में भाजपा सरकारों के समय प्रदेश की आय बढ़ाने के लिए कई कार्य किये गए थे लेकिन मौजूदा कांग्रेस सरकार की गलत नीतियों के कारण प्रदेश में लोककल्याण की योजनाएं तक हांफ चुकी हैं। वीरेन्द्र कंवर ने कहा कि हिमाचल में विकास कार्य ठप्प हो गए हैं और कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है लेकिन सरकार का इस पर कोई ध्यान नहीं है।

चंद्र कुमार

कृषि व पशुपालन मंत्री चंद्र कुमार ने कहा है कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने के साथ–साथ शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष ध्यान दे रही है। वे आज ज्वाली क्षेत्र के राजकीय उच्च विद्यालय करडियाल में 8 लाख रूपये की लागत से बने 2 कमरों का उद्घाटन करने के बाद स्कूल के वार्षिक समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने स्कूल के मैदान के लिए 2 लाख रूपये देने की घोषणा भी की।

जगत सिंह नेगी

राजस्व व जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा है कि वर्तमान राज्य सरकार वन अधिकार अधिनियम 2006 के माध्यम से उपेक्षित वर्गों को भूमि का मालिकाना हक प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। किन्नौर ज़िला के निचार विकास खंड के रूनंग गांव के लिए संपर्क सड़क और विकास खंड कल्पा की किल्बा पंचायत में बनने वाले सामुदायिक केंद्र पंचायत घर के शिलान्यास के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बात कही।

शिक्षा मंत्री

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा है कि राज्य सरकार ने शिक्षा विभाग में पिछले लगभग 2 वर्ष के कार्यकाल में हज़ारों शिक्षकों के पद भरे हैं। वे आज जुब्बल–कोटखाई–नावर विधानसभा क्षेत्र के ठाकुर रामलाल स्वर्ण जयंती उत्कृष्ट राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जुब्बल में खंड स्तरीय बाल मेले में बोल रहे थे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार ने स्कूलों को गोद लेने की एक योजना शुरू की है, जिसके तहत मंत्री, विधायक, अधिकारी और समाज का कोई भी व्यक्ति किसी एक विद्यालय को गोद लेंगे।

विक्रमादित्य

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि कारगिल विजय ऑपरेशन के दौरान शहीद हुए सभी 52 वीर सपूतों में शामिल सूबेदार वेद प्रकाश के नाम पर बाइचड़ी स्कूल का नामकरण करना उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि है। वे आज शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के तहत बाइचड़ी में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला को शहीद वेद प्रकाश के नाम से नामकरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि शहीद वेद प्रकाश की प्रारंभिक शिक्षा इसी स्कूल से हुई और उन्होंने 24 वर्षों तक साहस व पराक्रम का परिचय देते हुए सरहदों की रक्षा की । उन्होंने बाइचड़ी स्कूल में विद्यार्थियों की कम संख्या पर चिंता जताते हुए स्कूल प्रबंधन को शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान देने के निर्देश दिए।